## LOK SABHA

*Friday, May 16, 1969/Vaisakha 26, 1891 (Saka)*

---

*The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.*

[ MR. SPEAKER *in the Chair* ]

## MEMBER SWORN

Shri S.N. MISHRA (Kannauj—Uttar Pradesh)

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

### संघ राज्य-क्षेत्रों की पुलिस में भ्रष्टाचार

*1741. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संघ राज्य-क्षेत्रों में पुलिस में, जिसका उत्तरदायित्व भ्रष्टाचार को समाप्त करने का है, स्वयं भ्रष्टाचार व्याप्त है ;

(ख) भ्रष्टाचार के आरोपों में संघ राज्य क्षेत्रों में 1968 में कितने कांस्टेबल और पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किये गये ; और

(ग) भविष्य में पुलिस में भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए सरकार ने क्या उपाय किये हैं ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल)** : (क) जी नहीं, श्रीमन् । फिर भी संघ राज्य क्षेत्रों की पुलिस में भ्रष्टाचार के बारे में सरकार के ध्यान में कुछ शिकायतें लाई गई हैं ।

(ख) सभी संघ राज्य-क्षेत्रों ने (दिल्ली, चण्डीगढ़, पाण्डिचेरी और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर) सूचित किया है कि 1968 में भ्रष्टाचार के दोषारोपों पर पुलिस दल का कोई कर्मचारी गिरफ्तार नहीं किया गया था । इस अवधि में दिल्ली में 26 पुलिस कर्मचारी भ्रष्टाचार के दोषारोपों पर गिरफ्तार किए गए । चण्डीगढ़, पाण्डिचेरी और हिमाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्रों से उत्तर प्राप्त होने पर सदन के सभा पटल पर रख दिये जाएंगे ।

(ग) जब कभी कोई शिकायत प्राप्त होती है तो आवश्यक जांच के बाद उचित कार्यवाही की जाती है । भ्रष्टाचार को रोकने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों । सतर्कता व्यवस्था के निरीक्षण में कड़ी निगरानी भी की जाती है ।

**श्री ओम प्रकाश त्यागी** : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय के उत्तर को ध्यान से सुन रहा था । भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में मंत्री महोदय ने बताया कि पुलिस अधिकारी बहुत सतर्कता और एलर्ट होकर काम कर रहे हैं । वास्तविकता यह है । पुलिस में भ्रष्टाचार सर्वत्र है । वर्तमान समय में पुलिस अधिकारियों में यदि कोई भ्रष्टाचारी नहीं है तो यह एक आश्चर्य की बात है । इस भ्रष्टाचार का मूल कारण गरीबी है । वर्तमान समय में हमारे पुलिस के सिपाहियों और अधिकारियों को इतना कम वेतन मिलता है कि वे भ्रष्टाचार के बिना जिन्दा ही नहीं रह सकते । उन्हें रहने के लिए मकान नहीं मिलता, भत्ता नहीं मिलता, एक्स्ट्रा ड्यूटी दें तो भी कुछ नहीं मिलता ।

मैं जानना चाहता हूं कि भ्रष्टाचार के मूल कारण—जो कि सिपाहियों और अधिकारियों